

व्यापक है। अतः प्राचीनता का धारणा
 जस कायदा विवेकाया आदेश प्रीत
 किया जाता है तथा उक्त प्रती के मूल कायदे
 निम्नान्त एक दस कायदा के अन्तर्गत
 विवेकाया के प्रीतान्तिर किया जाता
 है कि ग्राम समवाय वहीन हीन स्थित

क्र.सं. $\frac{627}{0.13}$, $\frac{640}{0.21}$, $\frac{641}{0.22}$, $\frac{642}{0.74}$, $\frac{652}{0.74}$, $\frac{677}{0.09}$, $\frac{687}{0.38}$,
 $\frac{690}{0.07}$, $\frac{762}{0.06}$ तथा $\frac{1295}{0.08}$ कुल किं० 10 कुल रुकवा

2148 हीन प्रती के अन्तर्गत किं० किं० प्री की
 जसा स्थिति बन्या है। उक्तका कायदा
 प्रीतान्तिर किया जायगा कि कस ही तथा बाद
 वहीन प्रीत हीन आउदार हीन प्रीत
 बाद ही प्रीतान्तिर है। किंकि अन्तर्गत हीन
 अन्तर्गत हीन प्रीत कायदा रुकवा किं० प्रीतान्तिर
 कस के अन्तर्गत कस ही प्रीतान्तिर जाकर
 प्रीतान्तिर जाय।

20/12/56

सहायक कलेक्टर

